

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 4 और 6 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 5 में किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 9 और 12 में किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए। प्रश्न 13 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1.

भारत में इंटरनेट के उपयोग और तकनीक को अपनाने की दर तेजी से बढ़ रही है। ताजा आँकड़ों के अनुसार देश में 90 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इससे भारत अब दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बाजारों में आ चुका है किंतु तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ बड़ा साइबर अपराध का खतरा भी जुड़ा है। आज साइबर अपराध सिर्फ अमीरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गाँवों और शहरों में रहने वाले आम लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। इसलिए सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए सतर्क रहना और साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। साइबर हमले पहले से अधिक जटिल हो गए हैं। जागरूकता का स्तर भी अपेक्षाकृत कम है। अधिकांश लोगों को साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियमों की जानकारी नहीं होती। इससे वे असुरक्षित ऑनलाइन तरीके अपनाते हैं और उनका संवेदनशील डेटा खतरे में पड़ जाता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के पारंपरिक तरीके उबाऊ और कठिन माने जाते हैं। अतः आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा को रोचक और प्रभावी तरीके से सिखाने की जरूरत है। उम्र और भाषा के हिसाब से तैयार साइबर सुरक्षा से जुड़े नुस्खे दिए जाने चाहिए। भारत जैसे बहुभाषी देश में स्थानीय और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक साइबर सुरक्षा सामग्री की कमी बड़ी चुनौती है। साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए 'साइबरपीस कॉर्प्स' जैसे प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह पहल साइबर सुरक्षा से जुड़े स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार करती है जो जमीनी स्तर तक जाकर लोगों को जागरूक करने और साइबर सुरक्षा में सहयोग देने का काम करते हैं। साइबर अपराध के पीड़ितों की मदद करते हैं। लोगों को पता होना चाहिए कि साइबर अपराध होने पर कहाँ शिकायत करें और कहाँ अपनी समस्याएँ उठाएँ तथा मौजूदा आईटी और डेटा सुरक्षा कानूनों के तहत उन्हें कौन-से अधिकार प्राप्त हैं। यह प्रयास सामूहिक रूप से पूरे समाज को डिजिटल रूप से सशक्त कर सकता है।

1(i).

गद्यांश के संदर्भ में डिजिटल रूप से सशक्त होने का आशय है:

- | | |
|---------------------------------------|--|
| (A) ऑनलाइन सेवाओं का अधिकाधिक विस्तार | (B) इंटरनेट की बेहतर और मज़बूत सुविधा |
| (C) साइबर अपराध के प्रति अनभिज्ञता | (D) इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति सतर्कता |

1(ii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: भारत विश्व के सबसे बड़े ऑनलाइन बाजारों में से एक है। कारण: साइबर अपराध के प्रति लोग सचेत हो गए हैं।

- | | |
|--|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

1(iii).

गद्यांश के आधार पर सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए: I. साइबर अपराध के प्रति लोगों में चेतना आई है। II. साइबर अपराध की घटनाएँ शहरी उच्चवर्गीय लोगों को तेजी से अपनी चपेट में ले रही हैं। III. साइबर सुरक्षा नियमों की जानकारी और अनुपालन से साइबर अपराध की घटनाओं को रोका जा सकता है।

- | | |
|--------------------|-------------------|
| (A) I, II और III | (B) केवल I और III |
| (C) केवल II और III | (D) केवल III |

1(iv).

साइबर जागरूकता से क्या अभिप्राय है?

1(v).

साइबर अपराध से निपटने के लिए भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती क्या है? इसे कैसे दूर किया जा सकता है?

1(vi).

"सतर्क और जागरूक रहकर साइबर अपराध की घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।" गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

1(vii).

'साइबरपीस कॉर्प्स' क्या है? साइबर जागरूकता की दिशा में इसका क्या योगदान है?

2.

ऐसी तेज़ होती बारिश में तकरीबन पच्चीस सालों के बाद वे मिलेंगे यह हैरत होती है सोचकर ! वे मिले मुझे एक दवाई की दुकान पर बारिश की बौछारों से बचते हुए बरसों देखे गए उस चेहरे को भूलना असंभव था ! मैं अपने इलाके के उस डाकिए को याद कर रहा था जो उस समय तकरीबन चालीस-पैंतालीस का रहा होगा प्रायः रोज ही आते थे मेरी डाक लेकर सुस्ताते थे हमारी बैठक में माँ उन्हें चाय-पानी के लिए पूछती थी उनके झुर्रियों से भर रहे इन्हीं हाथों ने हजारों चिट्ठियाँ, पत्रिकाएँ, किताबें, मनीऑर्डर मेरे घर पहुँचाए थे कभी ! अब तो कोई चिट्ठी नहीं आती ! इलाके का डाकिया कौन है बरसों से नहीं जान पाया। हमने बारिश के बीच एक छोटी-सी झोपड़ी में साथ चाय पी उन्होंने अपनी नौकरी के दिनों और नोनीहाट के बहुत से लोगों को याद किया और भर आई आँखों को बार-बार पोंछते रहे चाय पीते हुए उन्होंने फिर कहा कि आम के मौसम में आपका इंतजार रहेगा ! उन्होंने मेरे हाथों पर अपना हाथ रखा और जाने की इजाज़त चाही।

2(i).

डाकिए का अपनी भर आई आँखों को बार-बार पोंछना दर्शाता है:

- | | |
|-------------------------|-----------------------------|
| (A) निराशा और आक्रोश को | (B) अंदरूनी पीड़ा और कसक को |
| (C) दयनीय स्थिति को | (D) भय और संकोच को |

2(ii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए:
कथन: डाकिया स्वयं को अकेला और विस्मृत महसूस करता है।
कारण: आज के समय में संबंधों की गरमाहट और मानवीय संवेदनाएँ लुप्त होती जा रही हैं।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

2(iii).

डाकिए के प्रति कवि का दृष्टिकोण कैसा है?

- | | |
|------------------|----------------|
| (A) उपेक्षापूर्ण | (B) उदासीन |
| (C) संवेदनशील | (D) आलोचनात्मक |

2(iv).

"अब तो कोई चिट्ठी नहीं आती, इलाके का डाकिया कौन है, बरसों से नहीं जान पाया।" - पंक्ति के माध्यम से कवि ने किस सामाजिक परिवर्तन की ओर संकेत किया है?

2(v).

'तकनीकी विकास ने मानवीय रिश्तों को प्रभावित किया है।' - कविता के संदर्भ में इस पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

2(vi).

कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

3(i).

टीवी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'ब्रेकिंग न्यूज़' से क्या अभिप्राय है?
(शब्द सीमा लगभग 20 शब्द)

3(ii).

पत्रकारीय लेखन का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए लिखिए कि यह
सृजनात्मक लेखन से किन रूपों में भिन्न है? कोई एक बिंदु लिखिए।
(शब्द सीमा लगभग 40 शब्द)

3(iii).

'विशेष रिपोर्ट' से आप क्या समझते हैं? समाचार-पत्र-पत्रिकाओं में
इसका क्या महत्त्व है? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द)

4.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में
लिखिए: (i) हमारे दैनिक जीवन में अपनी उपयोगिता और तमाम
विशेषताओं के बावजूद मुद्रित माध्यमों की भी अपनी सीमा है।
सोदाहरण पुष्टि कीजिए। (ii) विशेष लेखन के लिए एक विशेष
प्रकार की भाषा, तकनीकी शब्दावली और शैली की आवश्यकता
होती है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (iii) "समाचार-पत्रों में संपादक
के नाम पत्र जनमत को प्रतिबिंबित करने वाला एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ
है।" टिप्पणी कीजिए।

5.

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100
शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: (i) अगर कहीं मैं तोता होता/
होती (ii) बाज़ार का आकर्षण (iii) भीड़ भरी रेल में एक दिन

6.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में
लिखिए: (i) "कविता में शब्दों के पर्याय नहीं होते।" सोदाहरण स्पष्ट
कीजिए। (ii) "नाटक मंचन में संवाद-योजना और समय का बंधन
एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" टिप्पणी कीजिए। (iii) 'द्वंद्व' से
क्या अभिप्राय है? कहानी को आगे बढ़ाने तथा उसे रोचक और
प्रभावी बनाने में द्वंद्व की क्या भूमिका होती है? स्पष्ट कीजिए।

7.

पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा॥ बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ। कैपि कैपि मरौं लेहि हरि जीऊ॥ कंत कहाँ हों लागौं हियरै। पंथ अपार सूझ नहिं नियरे॥ सौर सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी॥ चकई निसि बिछुरौ दिन मिला। हाँ निसि बासर बिरह कोकिला॥ रैन अकेलि साथ नहिं सखी। कैसें जिऔं बिछोही पँखी॥ बिरह सचान भवै तन चाँड़ा। जीयत खाइ मुँ नहिं छाँड़ा॥ रक्त ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख। धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख॥

7(i).

नायिका की विरह-व्यथा के संबंध में सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए: I. नायिका विरह रूपी अग्नि में दिन-रात जलती रहती है। II. उसके शरीर का सारा रक्त आँसू बनकर बह रहा है। III. वह पक्षी बनकर अपने पति के पास उड़ जाना चाहती है।

- | | |
|------------------|--------------------|
| (A) I, II और III | (B) केवल II |
| (C) केवल I और II | (D) केवल II और III |

7(ii).

कवि ने विरहिणी नायिका की विरह की स्थिति की तुलना किससे की है?

- | | |
|------------|-----------|
| (A) कोकिला | (B) बाज़ |
| (C) चकवी | (D) मोरनी |

7(iii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: नायिका पति के वियोग में अत्यंत कमजोर हो गई है। कारण: विरह की इस घड़ी में वह नितांत अकेली है।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

7(iv).

कविता में किसकी विरह व्यथा का वर्णन है?

- | | |
|--------------|----------|
| (A) पद्मावती | (B) चकवी |
| (C) नागमती | (D) सारस |

7(v).

पौष मास में रानी नागमती की विरह वेदना और भी अधिक क्यों बढ़ जाती है?

- | | |
|--|--|
| (A) सूरज के दक्षिण दिशा में छिप जाने के कारण | (B) राजा रत्नसेन की अनुपस्थिति के कारण |
| (C) भवन में अकेले रहने के कारण | (D) सौर-सुपेती के हिवंचल हो जाने के कारण |

8.

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) "स्वयं में विशिष्ट होते हुए भी समाज से कट कर रहने वाले व्यक्ति का कोई महत्त्व नहीं।" - 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (ii) "'वसंत आया' कविता आधुनिक मनुष्य की प्रकृति से अलगाव और उसके प्रति उदासीनता को व्यक्त करती है।" कथन पर टिप्पणी कीजिए। (iii) 'चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को' - पंक्ति के आधार पर कवि की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ॥ मो पर कृपा सनेहु बिसेषी। खेलत खुनिस न कबहुँ देखी॥ सिसुपन तें परिहरउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू॥ मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हारेहुँ खेल जितावहिँ मोही॥

OR

9(a).

9(b).

देखा विवाह आमूल नवल, तुझ पर शुभ पड़ा कलश का जल। देखती मुझे तू हँसी मंद, होठों में बिजली फँसी स्पंद उर में भर झूली छवि सुंदर प्रिय की अशब्द शृंगार-मुखर तू खुली एक-उच्छ्वास-संग, विश्वास-स्तब्ध बँध अंग-अंग नत नयनों से आलोक उतर काँपा अधरों पर थर-थर-थर।

10.

रस कहाँ है ? ये जो ठिंगने से लेकिन शानदार दरख्त गरमी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ ? सिर्फ जी ही नहीं रहे हैं, हँस भी रहे हैं। बेहया हैं क्या ? या मस्तमौला हैं ? कभी-कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफ़ी गहरी, पैठी रहती हैं। ये भी पाषाण की छाती फाड़कर ना जाने किस अतल गहर से अपना भोग्य खींच लाते हैं।

10(i).

गद्यांश में 'ठिंगने' शब्द का प्रयोग किसके संदर्भ में किया गया है?

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (A) मनुष्य के संदर्भ में | (B) कुटज के संदर्भ में |
| (C) पाषाण के संदर्भ में | (D) पहाड़ के संदर्भ में |

10(ii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: ठिंगना वृक्ष सूखी, नीरस धरती से भी अपने लिए जीवन-रस की तलाश करता है। कारण: मुश्किल परिस्थितियों से गुजरकर निकले हुए लोग अक्सर बेहया हो जाते हैं।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। | (B) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

10(iii).

गद्यांश में लेखक ने 'पेड़' की किस विशेषता को दर्शाया है?

- | | |
|------------|-----------------|
| (A) सघनता | (B) निर्लज्जता |
| (C) जीवटता | (D) स्वार्थपरता |

10(iv).

गद्यांश के आधार पर सही विकल्प/विकल्पों का चयन कर लिखिए:

I. ठिंगना वृक्ष विपरीत परिस्थितियों में भी उल्लसित भाव से खड़ा रहता है। II. ठिंगने वृक्ष की जिजीविषा अदम्य है। III. जलवायु और परिस्थितियाँ वृक्ष के लिए अनुकूल हैं।

- | | |
|------------------|-------------------|
| (A) I, II और III | (B) केवल I और III |
| (C) केवल I | (D) केवल I और II |

10(v).

लेखक 'पेड़' के किस गुण से प्रभावित है?

- | | |
|----------------|---------------------------|
| (A) कर्मठता से | (B) दृढ़ता और सहनशीलता से |
| (C) बेहयापन से | (D) सघनता से |

11.

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'संवदिया' पाठ में वर्णित बड़ी बहुरिया की स्थिति के आधार पर समाज में स्त्रियों की दशा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (ii) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर 'सिंगरौली' क्षेत्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (iii) 'लड्डू की माँग बालक के बालपन की स्वाभाविक माँग है।' - 'बालक बच गया' पाठ के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की लगभग 100 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: जंगल में मेरा पहला ही दिन था जब मैंने बरगद के पेड़ के नीचे एक शेर को बैठे हुए देखा। शेर का मुँह खुला हुआ था। शेर का खुला मुँह देखकर मेरा जो हाल होना था वही हुआ, यानी मैं डर के मारे एक झाड़ी के पीछे छिप गया। मैंने देखा कि झाड़ी की ओट भी गज़ब की चीज़ है। अगर झाड़ियाँ न हों तो शेर का मुँह-ही-मुँह हो और फिर उससे बच पाना बहुत कठिन हो जाए।

OR

12(a).

12(b).

चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे। बसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहाँ खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे। उनकी हर एक अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकती थी। कंधों तक बाल लटक रहे हैं। आप इधर से उधर टहल रहे हैं। एक छोटा-सा लड़का पान की तश्तरी लिए पीछे-पीछे लगा हुआ है।

13.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए: (i) सूरदास के लिए उसकी पोटली की क्या अहमियत थी? पोटली चोरी होने की बात को छिपाया जाना उसके व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है? उसका ऐसा करना आपकी दृष्टि में कहाँ तक उचित है? युक्तियुक्त उत्तर लिखिए। (ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर लेखक के गाँव की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आधुनिक समय में ग्रामीण जीवन में क्या बदलाव आया है? (iii) 'जल और पर्यावरण संबंधी समस्याएँ 'अपना मालवा - खाऊ-उजाड़ सभ्यता में' पाठ के केंद्र में हैं।' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए कि इन समस्याओं को दूर करने की दिशा में क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

- End of Question Paper -